वार्तालाप-602, बम्बई (महाराष्ट्र), दिनांक 19.07.08
Disc.CD No. 602, dated 19.07.08 at Bombay (Maharashtra)
Extracts-Part-1

समयः 07.14-10.06
जिज्ञासुः भक्तिमार्ग में जिन जानवरों की आत्माओं को काट के खाते हैं, बलि चढ़ाते हैं...
बाबाः मनुष्यों की, जानवरों की?
जिज्ञासुः उनकी आत्मा बदला लेती है क्या?
बाबाः बदला लेती नहीं है? जानवर मनुष्यों को मार के नहीं खा जाते हैं? मनुष्य मनुष्यों को नहीं मार देते हैं? नहीं मारते हैं क्या? (जिज्ञासु - मारते हैं।) मारते हैं। यहाँ ज्ञान में भी मारते हैं। जो जानवर बुद्धि हैं, उनको समझाना बुझाना चाहिए या सीधा ऐसा तीखा बाण मारना चाहिए जो मर जाएं? क्या करना चाहिए? जानवर बुद्धि को मानवीय बुद्धि बनाना चाहिए। और मानवीय बुद्धि बना करके उनको जीवित रखना चाहिए या गुस्से में आ करके उनकी मौत कर देनी चाहिए? अनिश्चय बुद्धि रूपी मौत करना अच्छा है या निश्चय बुद्धि जीवन अच्छा है? (सबने कहा - निश्चयबुद्धि।) तो शूटिंग पीरियड में भी होता है, तो ज्ञानमार्ग में भी होता है या नहीं होता है?

Time: 07.14-10.06
Student: The animals that are killed and eaten or offered as a sacrifice in the path of *bhakti*...
Baba: Of the human beings and animals?
Student: Does their soul take revenge?
Baba: Does it not take revenge? Don't the animals kill human beings and eat them? Don't the human beings kill human beings? Don't they kill them? They kill. People kill here in the knowledge as well. Should those who have an animal like intellect be explained or should such a sharp arrow be shot at them that they are killed? What should be done? Those with an animal like intellect should be transformed into those with a human like intellect. And after transforming them into a human intellect, should they be kept alive or should they be killed out of anger? Is it good to make them die the death in the form of a doubting intellect or is it good to live a life with a faithful intellect? (Everyone said: A faithful intellect.) So, does it happen in the shooting period as well as in the path of knowledge or not?

यहाँ भी हत्याएं होती हैं ब्राह्मणों की दुनिया में। और वहाँ भी हत्याएं होती हैं। क्या यहाँ ब्राह्मणों की दुनिया में पूतनाएं नहीं हैं क्या? छोटे-छोटे बच्चे ज्ञान में पैदा होते हैं। खुदकी बुद्धि में ज्ञान बैठा हुआ है कि पवित्र रहना अच्छा है, लेकिन छोटे-छोटे बच्चों को विकारी बनाय देती हैं। तो कौनसी शूटिंग हो जाती है? पूतना की शूटिंग हो जाती है। काल के गाल में ढकेल देती है। ऐसे नहीं कि फीमेल की ही ये बात है। कंसी, जरासिंधी भी हैं जो कृष्ण जैसी तेज वाले अच्छे-अच्छे बच्चों को कंस के कोस घर में डाल देते हैं। दुनिया समझती है बड़े अच्छे पुरुषार्थी हैं। और जब भेद खुलता है तो पता चलता है इनको तो ज्ञान में बिल्कुल निश्चय है ही नहीं। देह अभिमान के रास्ते अपनाते

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

हैं। कोर्ट कचहरी के रास्ते अपनाते हैं। रिश्वत देने के रास्ते अपनाते हैं। तो उनकी बुद्धि में ज्ञान बैठा हुआ कहेंगे या मरे हुए कहेंगे? मरे हुए हैं।

Even here killings take place in the world of Brahmins. And killings take place there as well. Are there not Putnas[1] here in the world of Brahmins? Small children are born in the path of knowledge. The knowledge that it is good to lead a pure life has sat in their intellect, but they make small children vicious. So, which *shooting* do they perform? They perform the shooting of Putna. They push them in the jaws of death. It is not that this is about just the females. There are Kansas and Jarasindhis[2] also who put nice children with Krishna like luster into the slaughter house of Kansa. The world thinks that they are very nice *purusharthis*[3]. And when the secret is revealed, then they come to know that this one does not have any faith in knowledge at all. They adopt the ways of body consciousness. They adopt the ways of courts. They adopt the ways of giving bribes. So, will it be said that the knowledge has sat in their intellect or will they be said to be dead? They are dead.

समयः 10.13-11.46

जिज्ञासुः बाबा, आज गुरु पूर्णिमा है भक्तिमार्ग में।

बाबाः हाँ, जी। हाँ, तो क्या कहना चाहते? गुरु पूर्णिमा तो है।

जिज्ञासुः आज गुरुवार है...

बाबाः चलो गुरू मान लो, चाहे कुछ भी मान लो। जैसी-जैसी धारणा। ये तो अपने ऊपर है। वैसे बाप, टीचर सद्गुरु, है तो एक ही रूप। लेकिन पार्ट नम्बरवार है या एक साथ तीनों पार्ट चलते हैं? (सबने कहा - नम्बरवार।) तो सद्गुरु का पार्ट अभी कहेंगे या नहीं कहेंगे? अभी नहीं कहेंगे। अभी टीचर की क्लेरिफिकेशन, व्याख्या चल रही है। सद्गुरु का पार्ट तो बहुत तीखा होता है और बहुत सख्त होता है। एक वाक्य को भी अगर उल्टा पुल्टा निकला तो माफ नहीं करेगा। अभी तो कितने ही... ☺

Time: 10.13-11.46

Student: Baba, today it is *Guru Purnima* in the path of *bhakti*.

Baba: Yes. So, what do you wish to say? It is indeed *Guru Purnima*.

Student: Today is *Guruwar* (Thursday).

Baba: OK you may consider him to be a guru or anything. Each one has a different belief. It depends on individual [thinking]. However, the Father, the Teacher and the *Sadguru* are in the same form. But are the *parts* number wise (one after the other) or are all the three parts played simultaneously? (Everyone said – Number wise.) So, will it be said that the *Sadguru*'s part is being played now or not? It will not be said now. Now the *clarification*, explanation is being given by the Teacher. The *Sadguru*'s part is very sharp and very strict. Even if a sentence is uttered incorrectly, He will not pardon you. Now we [commit] so many... ☺

[1] A witch in the epic Mahabharata who tried to kill Krishna by poisoning him.
[2] Villainous characters in the epic Mahabharata.
[3] Those who make spiritual effort.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 11.49-12.40

जिज्ञासुः बाबा, जो आत्मा शरीर छोड़ती है उनका श्राद्ध करते हैं वो आत्मा आती है। कैसे?

बाबाः पहले जब सतोप्रधानता थी तो आत्माएं आती भी थीं। अभी तो तमोप्रधानता बढ़ गई। तो सिर्फ लीक पीटते हैं।

जिज्ञासुः उनको भोग चढ़ाया जाता है।

बाबाः भोग चढ़ाते हैं, वो सिर्फ परंपरा अपनाते हैं। आत्मा आती नहीं है। अभी कलियुग की शूटिंग हो रही है। सब आत्माएं तमोप्रधान बन चुकी हैं। पितरों की आत्माएं भी तमोप्रधान हो चुकी हैं।

Time: 11.49-12.40
Student: Baba, when a soul leaves its body, then *shraadh*[4] is organized for that soul and that soul comes. How?
Baba: When there was *satopradhanta*[5] earlier, the souls (of ancestors) used to come. Now *tamopradhanta*[6] has increased. So, they just follow it as a ritual.
Student: They are offered *bhog*[7].
Baba: As regards offering of *bhog*, they just follow the tradition. The soul does not come. Now the *shooting* of the Iron Age is going on. All the souls have become *tamopradhan*. The souls of the ancestors have also become *tamopradhan*.

समयः 13.51-15.30

जिज्ञासुः बाबा, मकान बानाना माना प्रापर्टी बनाना, बाबा ने बोला है। और एक वाणी में ऐसे भी बोला है कि जो बाप बच्चों के लिए मकान नहीं बना सकता वो राजा कैसे बनेगा?

बाबाः हद की बात बोली कि बेहद की बात बोली? बेहद का बाप बेहद के बच्चों से बेहद की बातें करते हैं। तो आप हद के बच्चे हैं या बेहद के बच्चे हैं? बेहद बाप के बच्चे हैं या हद के बाप के बच्चे पहले हैं? अभी कौनसे हैं? (जिज्ञासु - बेहद के।) तो फिर क्यों पूछ रहे हो? जब कि मुरली में दूसरी तरफ क्रास वाक्य भी बोल दिया है। अभी प्रापर्टी नहीं बनानी है। अगर पैसे हैं तो बाल बच्चों के पेट में जाने दो। उनकी अच्छे से परवरिश करो। जो तुम्हारे फेवर में रहें, ज्ञान में चलें। अलौकिक बच्चों की परवरिश करो ताकि अपना भाग्य बने। मिट्टी में पैसा बहाने से कोई फायदा होने वाला नहीं है। ढेर सारे मकान खाली मिल जावेंगे। अभी तो थोड़े सेन्टर्स हैं। मुरली में बोला है आगे चल करके लाखों की तादाद में तुम्हारे सेन्टर्स हो जावेंगे। तो क्या मकान बना-बना के देंगे क्या? खरीदेंगे जमीन? उसके ऊपर बिल्डिंग बनायेंगे? इतनी मेहनत करने की दरकार नहीं है। हमारा तो सहज राजयोग, सहज ज्ञान है।

---
4 a ritual performed every year for ancestors
5 Stage of being *satopradhan*.
6 Stage of being *tamopradhan*.
7 Offering of food.

Time: 13.51-15.30
Student: Baba, building a house means building a property, Baba has said so. And it has been said in a vani that how can a father who cannot build a house for his children become a king?
Baba: Did He speak about the limited topic or the unlimited topic? The unlimited Father speaks about the unlimited topics to the unlimited children. So, are you the limited children or the unlimited children? Are you the children of the unlimited Father or are you the children of the limited father first? What are you now? (Student: Unlimited.) Then why are you asking? On the other hand a contradictory sentence has also been spoken in the murli: You should not make property now. If you have money, then use it to feed the children. Bring them up well so that they remain in your *favour*, follow the knowledge; take care of the *alokik* children so that you accumulate fortune. There is not going to be any use in wasting money. You will get numerous vacant houses. Now there are a few *centers*. It has been said in the murli that your centers will grow into lakhs (hundred thousand) in the future. So, will you build houses and give? Will you buy land? Will you construct buildings on that? There is no need to work so hard. Ours is an easy Raja yoga, easy knowledge. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 15.55-16.27

जिज्ञासुः बाबा, किसी को बीमारी नहीं, कुछ नहीं, अपने आप शरीर छोड़ देता है।

बाबाः हार्ट फेल हो जाता है।

जिज्ञासुः नहीं, अपने आप शरीर छोड़ देता है।

बाबाः अपने आप माने हार्ट फेल होता है। जैसे हार्ट फेल होता है ऐसे ही शरीर छोड़ देते हैं। क्या बड़ी बात हो गई? कोई में भूत-प्रेत ऐसा प्रवेश करता है कि तुरंत शरीर छुड़वा देता है।

Time: 15.55-16.27
Student: Baba, some people leave their body automatically without suffering any disease.
Baba: They have a heart failure.
Student: No. They leave their body on their own.
Baba: On their own means that they have a heart failure. For example, people have heart failure; similarly they leave their body. What is a big deal in it? Ghosts and spirits enter some people in such a way that they make them to leave their body immediately.

समयः 16.47-17.50

जिज्ञासुः बाबा, एडवांस में एक बच्चा ज्ञान में चलेगा तो उसके परिवार बाले ज्ञान में आएंगे। तो अभी तो चल नहीं रहे हैं।

बाबाः तो क्या हुआ? अभी दुनिया खतम हो गई क्या? धीरज धर मनुआ धीरज धर। **बाबा** ने बोला है - ये बुद्धि में रहना चाहिए। कोई सामान्य व्यक्तित्व ने नहीं बोला है। किसने बोला है? (सभी ने कहा - बाबा ने।) बाबा ने बोला, और किसके मुख से बोला है? (सभी ने कहा - शिवबाबा ने।) नहीं,

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

किसके मुख से बोला है? अव्यक्त बापदादा के मुख से बोला है। ब्रह्मम् वाक्यम् जनार्दनम्। दुनिया के मुख से निकली हुई बातें झूठी हो सकती हैं, लेकिन ब्रह्मा बाबा ने जो कुछ बोला वो मुख से निकली हुई बातें झूठी... (सभी ने कहा - ...नहीं हो सकतीं।) तो प्रश्न क्यों उठता है? कुख वंशावली हो या मुख वंशावली? कुख वंशावली नहीं बनना अब। सोच समझ के बोलना।

Time: 16.47-17.50
Student: Baba, if one child follows the advance knowledge, then the members of his family will enter the path of knowledge. But they are not following [knowledge] now.
Baba: So what? Has the world perished now? Have patience my mind, have patience. Your intellect should be aware that **Baba** has said this. Any ordinary personality hasn't said this. Who said this? (Everyone said: Baba.) Baba has said this; and through whose mouth did He say it? (Everyone said: Shivbaba.) No, He has said this through whose mouth? He has said this through the mouth of *Avyakt Bapdada*. *Brahmam vaakyam janardanam*[8]. The words uttered through the mouth of the [people of the] world can be false, but whatever Brahma Baba spoke ... (Students: ... cannot be false.) So, why do you raise a doubt? Are you the lap born progeny or the mouth born progeny? Do not become the lap born progeny now. Speak carefully.

समयः 17.52-20.39

जिज्ञासुः बाबा, तुलसी और कृष्ण का क्या संबंध है?

बाबाः हाँ। कृष्ण को सिर्फ एक महारानी ही थी या पटरानियाँ भी थीं? (सभी ने कहा - पटरानियाँ भी थीं।) एक महारानी थी राधा और आठ पटरानियाँ भी थीं। उनका नाम पटरानियाँ क्यों पड़ा? क्योंकि पुरुषार्थ तीखा करते-करते टॉपमोस्ट का पुरुषार्थ करते करते माया ने अंत में उनको पट्ट में गिराय दिया। इसलिए उनका नाम पट्टरानियाँ पड़ा। तो तुलसी को पटरानी कहते हैं या महारानी कहते हैं या रानी कहते हैं? क्या कहते हैं? अरे भक्तिमार्ग में क्या कहते हैं? पटरानी कहते हैं। वो दो प्रकार की पटरानियाँ हैं। एक हरित तुलसी और दूसरी काली तुलसी। और दोनों का स्थान अलग-अलग है। एक कांटों के जंगल में ही रहती है। फिर पूजा क्यों होती है? भगवान तो मन्दिर में रहता है। और वो कांटों के जंगल में रहती है। तो फिर पूजा का आधार क्या है? जरूर थोड़े से थोड़े टाइम मन्दिर में भी रही होगी। इसलिए काली तुलसी की भी पूजा होती है। पूजा का आधार ही है प्यूरिटी। और हरित तुलसी की तो घर-घर में पूजा होती है क्योंकि वो घर-गृहस्थ बनाकर लंबे टाइम तक भगवान के साथ रही होगी। भक्तिमार्ग में वो देवी का मेला भी मनाते हैं। सबसे जास्ती मेला जगदम्बा का होता है। क्योंकि उसने जितना लंबे समय तक मनसा का, वाचा का, कर्मेन्द्रियों का मिलन मेला मनाया है भगवान के साथ, उतना जास्ती मिलन मेला और कोई भी पटरानी ने नहीं मनाया।

[8] Any sentence uttered through the mouth of Brahma is the version of God.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 17.52-20.39
Student: Baba, what is the relationship between Tulsi and Krishna?
Baba: Yes. Did Krishna have only one *maharani* (empress) or did he have *patranis* (queens) as well? (Everyone said: He had *patranis* as well). One *maharani* was Radha and there were eight *patranis* as well. Why were they named *patranis*? It is because while making intense *purusharth*, while making the *topmost purusharth*, Maya made them fall into the pit (*patt*) at last. This is why they were named *pattranis*. So, is Tulsi called *patrani*, *maharani* or *rani*? What is she called? *Arey*, what do they call her in the path of *bhakti*? They call her *patrani*. There are two kinds of *patranis*. One is *harit tulsi* (the green Tulsi) and the other is *kaali tulsi* (the dark Tulsi). And the place of both is different. One lives only in the jungle of thorns. Then why is she worshipped? God lives in temples. And she lives in a jungle of thorns. So, what is the basis of worship? Definitely she will have lived in the temple as well for some time. This is why the dark Tulsi is also worshipped. The basis of worship itself is purity. And the green Tulsi is worshipped in every home because she will have lived with God in a household for a long time. The fair of that *devi* is also organized in the path of *bhakti*. The biggest fair is organized for Jagdamba because no other *patrani* enjoyed the fair (meeting) with God to the extent to which she enjoyed the meeting with God through mind, through words, through the *karmendriya*[9].

समयः 21.37-22.45
जिज्ञासुः रामायण में दिखाते हैं कि जटायु सीता को बचाने का प्रयास करता है। जटायु पक्षी। वो जटायु का क्या पार्ट है?
बाबाः जटायु का पार्ट वो है जो भगवान का साथ तो देता है, रावण से लड़ाई भी लड़ता है, लेकिन जटायु ज्यादा बलवान है या रावण ज्यादा बलवान पड़ता है? (सभी ने कहा - रावण।) रावण ज्यादा बलवान पड़ता है। इतना बलवान पड़ता है कि उसके ज्ञान, योग के पंखों को काट देता है। धराशायी हो जाता है। परन्तु फिर भी, धराशायी होते-होते भी भगवान से उसका मेल हो जाता है, साक्षात्कार हो जाता है। सद्गति हो जाती है क्योंकि जितनी ताकत थी उतना मुकाबला किया। इसलिए सद्गति पाता है।

Time: 21.37-22.45
Student: It is shown in the Ramayana that Jatayu tries to save Sita. The bird Jatayu. Who plays the part of Jatayu?
Baba: Jatayu's *part* is played by the one who does help God, who fights with Ravan as well, but is Jatayu more powerful or is Ravan more powerful? (Student: Ravan.) Ravan is more powerful. He is so powerful that he cuts his (Jatayu's) wings of knowledge and yoga. He falls to the ground. Yet, despite falling to the ground, he meets God. He has His vision. He achieves true liberation because he confronted [Ravan] to the extent he had power. This is why he achieves true liberation.

[9] Parts of the body used to perform actions.

समयः 22.56-28.45

जिज्ञासुः बाबा, सीता मैया शिव धनुष को उठा लेती है। लेकिन रावण नहीं उठा पाता। बेहद में क्या अर्थ है?

बाबाः हाँ। वो शिव का धनुष कहा जाता है। धनुष है पुरुषार्थ रूपी। और पुरुषार्थ शरीर के द्वारा किया जाता है या बिना शरीर के किया जाता है? (सभी ने कहा - शरीर द्वारा।) शरीर के द्वारा पुरुषार्थ किया जाता है। शरीरों के लिए बोला है कि शरीर सड़ते जावेंगे, और आत्मा? पावरफुल होती जावेगी। इतने शरीर सड़ते जावेंगे कि हाथों में कंपन होने लगे। आँखों में चश्मा चढ़ जाए। दाँतों में कैप्स चढ़ जाए। नाक भी काम न करे और कान भी काम न करे। कोई भी इन्द्रियाँ काम न करे। सब हिलती-डुलती, तो भी ईश्वरीय कार्य में पीछे रहे या आगे बढ़ करके रहेगा? (सभी ने कहा - आगे बढ़के रहेगा।) उसको कहेंगे ईश्वरीय पावर। समझ में आ गया? क्या समझ में आया?

Time: 22.56-28.45

Student: Baba, mother Sita lifts Shiva's bow, but Ravan is unable to lift it. What is its meaning in the unlimited?

Baba: Yes. It is called Shiva's bow. It is the *purusharth* like bow. And is *purusharth* made through the body or without the body? (Everyone said: Through a body.) *Purusharth* is made through the body. It has been said for the bodies that the bodies will go on rotting and what about the soul? It will go on becoming *powerful*. The bodies will go on rotting so much that the hands will start shivering. The eyes will be covered by spectacles. The teeth will be covered by *caps*. Neither the nose nor the ears will work. No *indirya*[10] will work. All the *indriya* will keep shaking. Still, will he lag behind in the task of God or will he surge ahead? (Everyone said: He will surge ahead.) That will be called the Divine *power*. Did you understand? What did you understand?

जिज्ञासुः बाद में राम उसको तोड़ देता है।

बाबाः हाँ, शिव का धनुष का मतलब शरीर रूपी धनुष जिसको रावण नहीं तोड़ सका। ब्राह्मणों की दुनिया में दस सिरों का पार्ट कोई आत्माओं का है या नहीं है? (जिज्ञासु - है।) पाँच विकार - काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार। चित्र तो दिखाते हैं। सिर दिखाते हैं या नहीं? (जिज्ञासु - दिखाते हैं।) तो चरित्र करने वाले भी कोई होंगे। और 5 देवताएं - जल, वायु, अग्नि, आकाश - ये दिखाते हैं ना। ये 5 तत्व मंदोदरी के पाँच सहयोगी। तो दस रावण के सिर हो गए। परन्तु रावण के 10 सिरों का भी बाप कौन है? देह अभिमान।

Student: Later on Ram breaks it.

Baba: Yes, Shiva's bow means a bow like body which Ravan could not break. Do some souls play the *part* of the ten heads in the world of Brahmins or not? (Student: They do play.) The five vices: lust, anger, greed, attachment, ego. A picture is depicted. Do they show the heads or not? (Student: They do show.) So, there will be some who play the part as well. And [there are] the five deities:

[10] Parts of the body.

water, wind, fire, sky [and earth], they are shown, aren't they? These five elements are the five helpers of Mandodari[11]. So, these constitute the ten heads of Ravan. But who is the father of the ten heads of Ravan as well? Body consciousness.

देह अभिमान के लिए कौनसे जानवर का चित्र दिखाया जाता है? गधे का चित्र दिखाया जाता है। गधा कहो, बैल कहो, जब एक्साइटमेंट आता है तो बुद्धि से सोचता है या देह अभिमान में आ करके धूल में लोट जाता है? क्या करता है? धूल में लोट जाता है। कितना भी धोबी उसकी परवरिश करे, नहलाए, धुलाए, फिर भी क्या करेगा? धूल में लोट जावेगा। तो रावण के 10 सिर और 11वां सिर कौनसा हुआ? देह अभिमानी गधा। वो कौन है? (जिज्ञासु - ब्रह्मा।) किसी को ज्ञान की कोई बात बुद्धि में नहीं बैठती है तो क्या कहते हैं? गधा। ऐसे ही गीता का भगवान कितनी सहज बात बुद्धि में आनी चाहिए लेकिन बुद्धि में नहीं बैठता कि गीता का भगवान परमपिता परमात्मा शिव शंकर भोलेनाथ हो सकता है या कोई देहधारी हो सकता है? तो क्या कहेंगे? (जिज्ञासु - गधा।) गधा। अभी समझ में आ गया? रामकृष्ण भाई समझाओ। नहीं आ रहा है समझ में। पूरी कांध नहीं हिल रही है। नहीं आया? अच्छा किसकी समझ में आया तो बताओ।

The picture of which animal is shown for body consciousness? A donkey's picture is shown. Call it a donkey or call it a bull; when it becomes excited, then does it think through the intellect or does it roll in mud by becoming body conscious? What does it do? It rolls in mud. However much the washerman may sustain it, wash it, bathe it, what will it do? It will roll in mud. So, the ten heads of Ravan and who is the eleventh head? The body conscious donkey. Who is that? (Student: Brahma.) If a topic of knowledge does not sit in somebody's intellect, what do people call him? Donkey. Similarly, the topic of '[who is] God of the Gita' should sit in the intellect so easily, but it does not sit in the intellect whether can the Supreme Father Supreme Soul Shiva Shankar Bholenath be God of the Gita or can any bodily being be that. So, what will be said? (Student: Donkey.) Donkey. Did you understand now? Ramkrishna bhai, explain to him. He is unable to understand. He is not nodding his head completely☺. Did you not understand? *Achcha*, tell [us] if anyone has understood.

अरे शिव का धनुष माने ऐसा शरीर रूपी पुरुषार्थ करने वाला लचीला शरीर रूपी रथ जो पुरुषार्थ रावण नहीं कर सका, रावण उस पुरुषार्थ रूपी धनुष को हिला भी नहीं सका। और सीता ने तो आराम से हाथ में उठाय लिया। और राम ने तो उसे तोड़ ही डाला। ये किसकी हड्डियों का धनुष था? (जिज्ञासु - दधीची।) दधीची ऋषि की हड्डियों का धनुष था। हड्डी-हड्डी सेवा में किसने लगाया? ब्रह्मा बाबा ने लगाया। राम के लिए क्यों नहीं कहेंगे दधीची? (किसी ने कहा - यज्ञ के आदि में...) आदि में तो राम वाली आत्मा थी। (किसीने कहा - तोड़ने वाला बड़ा होता है ना।) क्या बड़ा होता है ? (सभी ने कहा - तोड़ने वाला।) हाँ, जी।

[11] Wife of Ravan.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Arey, Shiva's bow means such a flexible chariot like body which makes *purusharth* that even Ravan could not make that *purusharth*; Ravan could not even shake that *purusharth* like bow. And Sita lifted it comfortably in her hands. And Ram completely broke it. It was a bow made of whose bones? (Student: Dadhichi.) It was a bow made of the bones of sage Dadhichi. Who invested his every bone in service? Brahma Baba invested. Why will it not be said for Ram that he was Dadhichi? (Someone said: In the beginning of the *yagya*...) The soul of Ram was there in the beginning. (Someone said: The one who breaks it is greater.) What is great? (Everyone said: The one who breaks.) Yes. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 28.52-31.09

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला गया है कि भगवान की वाणी को ...।

बाबाः भगवान की वाणी को?

जिज्ञासुः एक बार भी सुनेगा तो वो स्वर्ग में आ जाएगा।

बाबाः मेरे मुख से अगर दो शब्द भी सुना तो स्वर्ग में क्यों नहीं आवेगा? तो भगवान के मुख से सुनने वाले कितने होंगे दुनिया में? अरे? (जिज्ञासु - साढ़े चार लाख।) बस। साढ़े चार लाख ही सुनेंगे? कितने सुनेंगे? अरे जो आदि सो अंत। आदि में सिंध हैदराबाद की आबादी कितनी थी? (जिज्ञासु - 9 लाख।) 9 लाख आबादी थी। अंत में भी मुख के सामने अगर दो मिनट भी आ करके सुन लिया तो सन्मुख सुनने वाले की लिस्ट में हुआ कि नहीं हुआ? (सभी ने कह - हुआ।) वो स्वर्ग में क्यों नहीं आवेगा?

Time: 28.52-31.09
Student: Baba, it has been said in the murli that the vani of God...
Baba: God's vani?
Student: If someone listens to it even once, he will come in heaven.
Baba: [It has been said in the murlis:] If someone listens to even two words from My mouth, why will he not come to heaven? So, how many in the world will listen from the mouth of God? *Arey?* (Student: Four and a half lakhs.) That is all? Will only four and a half lakh (450 thousand) listen? How many will listen? *Arey*, whatever happened in the beginning will happen in the end. What was the population of Sindh Hyderabad in the beginning? (Student: 9 lakh.) The population was 9 lakh (900 thousand). If someone listens face to face from the mouth for even two minutes in the end, is he included in the *list* of those who listen face to face or not? (Everyone said: He is.) Why will he not come to heaven?

जिज्ञासुः दूसरी तरफ बोला है कि भक्तिमार्ग का थोड़ा भी अंश रहा तो शरीर छोड़ना पड़ेगा।

बाबाः शरीर छोड़ना अलग बात। स्वर्ग में आना अलग बात। स्वर्ग कोई पहले जन्म में ही नहीं होता है। सतयुग के आठवें जन्म में स्वर्ग होगा या नहीं होगा? (जिज्ञासु - होगा।) और पहले जन्म में भी आबादी कितनी होगी अंत में? पहले जन्म के अंत में कितनी आबादी होगी? जन्म लेने वाले कितने

और जन्म देने वाले कितने होंगे? (सभी ने कहा - साढ़े चार लाख।) साढ़े चार लाख जन्म देने वाले और साढ़े चार लाख जन्म लेने वाले। तो ये संपूर्ण लक्ष्य हुआ या अधूरा लक्ष्य हुआ स्वर्ग में आने का? संपूर्ण लक्ष्य हुआ क्योंकि अगर दूसरे जन्म में आ करके कोई आत्मा जन्म लेती है तो द्वापरयुग से दूसरे धर्म में कन्वर्ट हो जावेगी। उसको पक्का स्वर्गवासी नहीं कहेंगे।

Student: On the other hand it has been said that if there is even a trace of the path of *bhakti* [in someone], he will have to leave the body.
Baba: Leaving the body is a different topic [and] coming to heaven is a different topic. Heaven does not exist only in the first birth. Will there be heaven in the eighth birth of the Golden Age or not? (Student: It will be there.) And what will be the population in the end of the first birth as well? What will be the population in the end of the first birth? How many will be the one who give birth and how many will be the ones who are born? (Everyone said: Four and a half lakh.) Four and a half lakh will give birth and four and a half lakh will be born. So, is this a perfect goal or an incomplete goal of coming to heaven? It is a complete goal because if a soul is born in the next birth, it will *convert* to other religions from the Copper Age. It will not be called a firm resident of heaven.

समयः 31.14-34.44

जिज्ञासुः बाबा, एकलव्य को द्रोणाचार्य ने धनुरविद्या नहीं सिखाई तो उसने गुप्त रूप में वो सीखी। उसके बाद उनका अंगूठा ले लिया। अश्वत्थामा ने पूछा उनका अंगूठा क्यों लिया? तो बोले उसने चुपके से धनुरविद्या सीखी थी इसलिए। तो ज्ञान में उसका कुछ राज है क्या?
बाबाः राज़ यही है कि गुरु लोग ने अन्याय करना शुरू कर दिया या न्याय किया? (सभी ने कहा - अन्याय।) चुपके से सीखी। अब तुमने परमीशन नहीं दी। उसने मूर्ति बना करके सीखी। विद्या लेना ये कोई खराब काम है क्या? (सभी ने कहा - नहीं।) अच्छा, चोरी से ज्ञान ले लेना, ये खराब काम है क्या? नहीं। लेकिन गुरू ने अन्याय किया। और गुरू होते ही हैं अन्यायी ☺। ये देहधारी मनुष्य गुरुओं की बात है। अंगूठा काट लिया का मतलब? आत्मिक स्थिति खलास कर दी। फिर भी उसने पुरुषार्थ करके उंगलियों से बाण चलाना सीख लिया। क्या? अंगूठे से ही नहीं बाण चलाता है। ये दो उंगलियों को भी इकट्ठा करने से बाण चलाने की प्रैक्टिस की जा सकती है।

Time: 31.14-34.44
Student: Baba, Dronacharya did not teach archery to Eklavya, so he learnt it secretly. Later on, he (Dronacharya) took his (Eklavya's) thumb (as fees). Ashwatthama (Dronacharya's son) asked him: Why did you take his thumb? Then, he (Dronacharya) said: It is because he (Eklavya) learnt archery secretly. So, what is its secret in knowledge?
Baba: The secret is that did gurus start doing injustice or justice? (Everyone said: Injustice.) He learnt it secretly. Well, you did not give *permission*. He learnt it by making a sculpture [of Dronacharya]. Is it bad to obtain education? (Everyone said: No.) *Achcha*, is it bad to steal knowledge? No. But the guru did injustice. And gurus are anyway unjust☺. It is about the bodily human gurus. What is meant by cutting the thumb? He ended his soul conscious stage. Yet, he made *purusharth* and learnt to shoot arrows with his fingers. What? Arrows are not shot just with the help

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

of the thumb. One can *practice* shooting arrows by bringing together these two fingers (Baba is demonstrating the way of shooting arrow).

उसका नाम क्या था? एकलव्य। जो एक को लव करने वाला है वो कभी किसी से हार नहीं मानता। गुरू के प्रति उसकी श्रद्धा अटल थी या डिग गई? अटल श्रद्धा रही। (जिज्ञासु - यही बात अश्वत्थामा के मन को खाती थी इसलिए उन्होंने ये सवाल किया।) ये तो आज के भी गुरू लोग कह रहे हैं, जो ब्राह्मणों की दुनिया के गुरू लोग हैं वो नहीं कहते हैं कि यहाँ की मुरलियाँ चुराय ली हैं? (किसी ने कहा - कहते हैं।) भगवान की मुरलियाँ चुराना खराब बात है या अच्छी बात है? (जिज्ञासुओं ने कहा - अच्छी बात है।) और कागज़ के पत्ते कोई घरों में सेंध लगा करके चुराय लिये या देने वालों ने दे दिये तो लिये? (सभी ने कहा - दिये तो लिये।) देने वालों ने दिये, पढ़ने वालों ने पढ़े। तुमने उसका ध्यान नहीं दिया तो उसमें दूसरे का क्या कसूर? कोई भगवान की वाणी को महत्व देता है, कोई महत्व नहीं देता है। कोई ने गोद को प्यार किया, गोद में बैठे-बैठे सुख लिया ब्रह्मा बाबा के, तो गोद ही याद आवेगी या वाणी याद आवेगी? (जिज्ञासु - गोद।) गोद याद आती है। तो अंतिम अंजाम क्या होता है? ब्रह्मालीन स्वामी हो जाते हैं या भगवान की गोदी में पहुँचते हैं? ब्रह्मलीन हो जाते हैं☺।

What was his name? Eklavya. The one who loves One never accepts defeat at the hands of anyone. Was his devotion for the guru unshakable or did it shake? The devotion was unshakeable. (Student: This is what pricked Ashwatthama’s heart and he questioned him.) Even today’s gurus are saying this; don’t the gurus of the world of Brahmins say that you have stolen our murlis? (Someone said: They say.) Is it bad or good to steal God’s murlis? (Students: It is good.) And were the paper murlis stolen from someone’s house or were they obtained when someone gave them? (Student: They obtained when the givers gave them.) The givers gave; the readers read them. You did not pay attention to it; so, how can others be held guilty in that? Some give importance to God’s vani and some do not. Some loved the lap; they obtained happiness while sitting in the lap of Brahma Baba; so, will the lap come to their mind or will his words come to their mind? (Student: The lap.) The lap comes to their mind. So, what is the ultimate result? Do they become *Brahmaliin swami*[12] or do they reach the lap of God? They become *Brahmliin*☺.

समयः 34.47-37.15

जिज्ञासुः भगवान को चित्त चोर क्यों कहा जाता है बाबा?

बाबाः चित्त किसे कहा जाता है? चित्त वृत्ति। वृत्ति माने जो वृत्त खिंचता है, मन का चारों तरफ वायब्रेशन फैलता है, उसको वृत्ति कहते हैं। चित्त की वृत्ति अर्थात् मन की वृत्ति। मन-बुद्धि का जो वृत्ताकार चारों तरफ फैलता है उसको कहते हैं चित्त वृत्ति। तो भगवान 500-700 करोड़ की जो भी मनुष्यों की दुनिया है, उन सभी आत्माओं की चित्त वृत्ति को चुराके परमधाम में ले जाएगा या

[12] Devotee merged in the element *Brahm*; a religious sect found in India.

कोई को छोड़ देगा? (सभी ने कहा - ले जाएगा।) नहीं जावेंगे तो मार-कूट करके भी ले जाऊंगा। ☺ तो सबका चित्त चोर हो गया। ऐसे नहीं 16000 का ही चित्त चोर होता है।

Time: 34.47-37.15
Student: Baba, why is God called *citt cor*[13]?
Baba: What is meant by *citt*? *Citt vritti. Vritti* means the circle that is drawn; the vibration of mind that spreads everywhere is called *vritti. Vritti* of the *citt* means the vibrations of the mind. The sphere of the mind and intellect that spreads everywhere is called *citt vritti*. So, will God steal the *citt vritti* of all the souls of the world of 5-7 billion (500-700 crore) human beings or will he leave anyone? (Everyone said: He will take them.) If they don't go, then I will take them even by resorting to beatings☺. So, He happens to be everybody's *citt cor*. It is not that He is the *citt cor* of just the 16000.

कल भी पुलिस फर्रूखाबाद आश्रम में घुसी थी। जबरियन जा करके कई कन्याओं से पूछताछ की। चित्तवृत्ति का भेद लेने के लिए। लेडीज़ पुलिस ने भी और जेन्ट्स पुलिस ने भी। कम्पिल में भी वाक्या हुआ था तो दो महीने लगातार लेडीज़ पुलिस सुबह से ले करके शाम तक तैनात रहती थी एक-एक से पूछताछ करती थी अलग-अलग ले जाकर। अब जिनका चित्त चुराय लिया गया है उनके मुख से तो कुछ भी निकलने वाला नहीं है।
जिज्ञासुः आदि में भी हुआ था ऐसा।
बाबाः आदि में भी हुआ था सो अंत में भी होगा। आदि में बीजरूप में सूक्ष्म रूप में थोड़ा हुआ। अभी अंत में विशाल रूप में होता जावेगा और दुनिया में आवाज़ फैलती जावेगी।
जिज्ञासुः जितना ही होगा और आवाज़ फैलेगी।
बाबाः और आवाज़ फैलेगी। आज के अख़बार में कुछ निकला होगा। प्रेस वाले भी आये थे साथ में।

The police had entered Farrukhabad ashram yesterday as well. They made enquiries from many virgins forcibly to find out the secrets of their mind. Ladies police as well as gents police. Even when the incident of Kampil had taken place; the ladies police used to remain posted continuously from morning to evening for two months. They used to enquire from each one separately. And nothing is going to come out of the mouth of those whose heart has been stolen [by God].
Student: The same thing happened in the beginning as well.
Baba: It had happened in the beginning and it will happen in the end as well. It happened in a seed form, a subtle form in the beginning to some extent. Now it will go on happening in a big form now in the end. And the sound will go on spreading in the world.
Student: The more it happens, the more the sound will spread.
Baba: The more the sound will spread. Something must have been published in today's newspaper. The press people had also come with them.

[13] The one who steals the heart; a title of Krishna.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 37.26-39.52

जिज्ञासुः बाबा, सबसे टॉपमोस्ट पुरुषार्थ है अपने को अशरीरी आत्मा समझना। जितना अशरीरी आत्मा समझेंगे उतना बंधन फटाफट खलास हो जाएंगे।

बाबाः बंधन आत्मा समझने से फटाफट खलास नहीं होगा। आत्मा समझने से सिर्फ प्रैक्टिस होगी आत्मिक स्थिति में रहने की। लेकिन आत्मा के साथ अगर परमपिता परमात्मा शिवबाबा को याद नहीं किया तो पाप कर्म भस्म नहीं होंगे। हमारा प्रवृत्तिमार्ग की याद है या सिर्फ आत्मा की याद है? हमारी प्रवृत्तिमार्ग की याद है। आत्मा भी चाहिए और साथ में परमात्मा भी चाहिए। हमारा है ही प्रवृत्तिमार्ग। ये इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट ये बिन्दी को याद करते हैं अपनी आत्मा को याद करते हैं या कोई साकार को याद करते हैं? किसको याद करते हैं? सिर्फ बिन्दु को याद करते हैं। इसलिए विधर्मी बन जाते हैं। देवता नहीं बन पाते। इनकी आत्मा में देहभान रह जाता है। एक शिव परमात्मा ही है जिसमें देहभान का नाम निशान भी नहीं है। 100 परसेन्ट आत्माभिमानी। वो भी प्रैक्टिकल किसी शरीर के द्वारा प्रत्यक्ष होता है। और जिस शरीर के द्वारा प्रत्यक्ष होता है उसी का नाम शिव के साथ जोड़ा जाता है। बाकी 33 करोड़ देवताओं में से कोई का नाम शिव के साथ नहीं जोड़ा जाता। न ब्रह्मा का और न... विष्णु सम्पूर्ण माना जाता है। परन्तु विष्णु का भी नाम शिव के साथ नहीं जोड़ा जाता। नाम किस आधार पर पड़ता है? (सभी ने कहा - काम के आधार पर।) काम के आधार पर नाम पड़ता है।

Time: 37.26-39.52

Student: Baba, the topmost *purusharth* is to consider oneself to be a bodiless soul. The more you consider yourself to be a bodiless soul, the faster your bondages will end.

Baba: The bondages will not end quickly by considering yourself to be a soul. By considering yourself to be soul you will just *practice* to remain in the soul conscious stage. But if you do not remember the Supreme Father Supreme Soul Shivbaba along with the soul, then the sinful actions will not be burnt to ashes. Is our remembrance of the path of household (*pravrittimarg*) or is it a remembrance of just the soul? Ours is a remembrance of the path of household. The soul as well as the Supreme Soul is required. Ours is a path of household. Do Abraham, Buddha, Christ remember the point, do they remember their soul or do they remember any corporeal [medium]? Whom do they remember? They remember just the point. This is why they become *vidharmis*[14]. They are unable to become deities. Body consciousness remains in their soul. It is the Supreme Soul Shiva alone in whom there is not even the name or trace of body consciousness. He is 100 percent soul conscious. He too is revealed through a body in practice. And Shiva's name is prefixed only to the name of the body through which He is revealed. The names of none of the 330 million (33 crore) deities is suffixed to Shiva's name. Neither the name of Brahma nor... Vishnu is considered to be complete. But Vishnu's name is not suffixed to Shiva's name either. On what basis is a name given? (Everyone said: On the basis of the task.) The name is given on the basis of the task. ... (to be continued.)

[14] Those whose beliefs and practices are opposite to that set by the Father

Extracts-Part-4

समयः 40.05-42.20

जिज्ञासुः बाबा, जिन आत्माओं की हमारे द्‌वारा जाने-अनजाने जो डिससर्विस होती है उसकी यथार्थ सेवा आप कैसे जो उनको उठाया जाए?

बाबाः आप माने एक ही व्यक्ति करे?

जिज्ञासुः नहीं, बहुत सी आत्माएं। जानबूझकर नहीं, जाने-अनजाने में हो गई।

बाबाः आप माने क्या?

जिज्ञासुः बाहर वाली आत्माओं की।

बाबाः शिवबाबा न किसी की सेवा करता है न किसी की डिससर्विस करता है। वो तो सिर्फ आ करके ज्ञान सुनाता है। और सेवा या डिससेवा, डिससर्विस ये करना किसका काम है? देहधारी बच्चों का काम है। ये बच्चे डिससर्विस भी करते हैं और सर्विस भी करते हैं। लेकिन जो सेवा करने की हिम्मत करते हैं शिवबाबा और ब्रहमा बाबा अथवा कहो राम-कृष्ण की आत्माएं उनमें प्रवेश करके उनको बल देती हैं। डिससर्विस को सर्विस में बदल देती हैं। हिम्मते बच्चे मददे बाप हो जाता है।

Time: 40.05-42.20
Student: Baba, how do you actually serve the souls who have undergone disservice from us intentionally or unintentionally, [what should be done] so that they are uplifted?
Baba: By ‘you’ do you mean to say that only one person should do this?
Student: No, many souls. Not intentionally, but it happened unintentionally.
Baba: What do you mean by ‘you’?
Student: The outside souls.
Baba: Shivbaba neither serves anyone, nor does He do disservice of anyone. He just comes and narrates the knowledge. And whose task is it to do service or disservice? It is the task of the bodily children. These children do disservice as well as service. But Shivbaba and Brahma Baba or you may say the souls of Ram and Krishna enter those who show the courage to do service and give them strength. They change disservice into service. When children show courage, the Father helps them.

जिज्ञासुः बाबा, मेरे कहने का मतलब ये था हम बच्चों द्‌वारा जो डिससर्विस होती है।

बाबाः हाँ, हाँ।

जिज्ञासुः उन आत्माओं की अभी यथार्थ सेवा कैसे हो?

बाबाः कोई दूसरे बच्चे में प्रवेश करके बाबा उसकी सर्विस कराय देता है। जो बोला हुआ है वंचित हुई आत्माओं को उठाओ। तो बी.के में और पी.बी.के में ढेर सारे वंचित हो रहे हैं। उनकी डिससर्विस हो रही है तब ही तो वंचित हो रहे हैं। तो उनको उठाने के कोई निमित्त बनता है या नहीं बनता है? (किसीने कहा - बनता है।) जो हिम्मत करता है उसको बापदादा की मदद मिल जाती है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, I meant to say that the disservice that happens through us children.
Baba: Yes, yes.
Student: How can the actual service of those souls take place?
Baba: Baba enters some other child and serves him. It has been said: uplift the deprived souls. So, numerous souls are being deprived [of knowledge] among the BKs and PBKs. Their disservice is taking place; only then are they becoming deprived [of knowledge]. So, does someone become instrument in uplifting them or not? (Someone said: Someone does become [instrument].) The one who shows courage gets Bapdada's help.

समयः 42.38-43.39

जिज्ञासुः बाबा, देवताओं के गुण कितने होते हैं?

बाबाः गुणों की कोई संख्या होती है क्या? शिवबाबा के कितने गुण हैं? उन्होंने तो चित्र में बाँध दिये हैं। कितने गुण? 32 गुण। लेकिन क्या कहा जाता है भक्तिमार्ग में? गुण निधान। गुणों का सागर। तो जो गुणों का सागर भगवान है उससे जो गुणों की संख्या धारण करेगा वो कोई लिमिट में होगी या अनलिमिटेड होंगे? अनलिमिटेड। मुख्य रूप से गुण गिनाय दिये हैं - सर्व गुण संपन्न, सोलह कला संपूर्ण, संपूर्ण अहिंसक, मर्यादा पुरुषोत्तम।

Time: 42.38-43.39
Student: Baba, how many virtues do the deities have?
Baba: Is there any number of virtues? How many virtues does Shivbaba have? They have made the virtues limited in the picture. How many virtues [have they depicted]? 32 virtues. But what is said in the path of *bhakti? Gun nidhaan* (a store house of virtues). An Ocean of virtues. So, the virtues that one assimilates from the Ocean of virtues i.e. God be limited or *unlimited*? *Unlimited*. The main virtues have been enumerated: perfect in all virtues, perfect in 16 celestial degrees, completely non-violent, *maryada purushottam*[15].

समयः 44.14-45.00

जिज्ञासुः बाबा, जटायु शब्द का अर्था क्या है?

बाबाः जटा माने ये ज्ञान की जटाएं। जटा माने? ज्ञान की जटाएं। और आयु माने? उम्र। जिसकी उम्र ज्ञान में बहुत लंबी है। जिसकी ज्ञान की जटाएं लंबी हैं। ज्ञान योग के पंख भी लंबे हैं। ज्ञान योग के पंखों से बहुत ऊँची उड़ान उड़ता है। ऐसों को भी माया रावण क्या करता है? पंख काट देता है।

---
[15] highest among all souls in following the code of conduct

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 44.14-45.00
Student: Baba what is meant by the word '*Jatayu*'?
Baba: *Jataa* means these hair locks (*jataayein*) of knowledge. What is meant by *jataa*? The hair locks of knowledge. And what is meant by *aayu*? Age. The one who has a very long life in knowledge. The one whose hair locks of knowledge are long. The wings of knowledge and yoga are also long. He flies very high with the wings of knowledge and yoga. What does Maya-Ravan do to such ones as well? He cuts their wings.

समयः 45.10-46.26

जिज्ञासुः बाबा, एक वार्तालाप में बताया था बाबा को हॉल दो कार्यक्रम करने के लिए। तो अज्ञानी व्यक्ति का बनाया हुआ जो हॉल होता है वो लेना है या किसी ज्ञानी का लेना है?
बाबाः हॉल तो कोई भी दे। अज्ञानी देता है तो एग्रीमेंट लिखा लो ताकि धोखा न दे दे। कहीं तुम प्रोग्राम करना शुरु करो और बीच में विघ्न डाल दे। और ज्ञानी है तो भी कुछ न कुछ लिखा पढ़ी कर लो क्योंकि आजकल ज्ञानी भी क्या बन जाते हैं तुरंत? अज्ञानी बन जाते हैं। मान लो, कोई गीता पाठशाला खोलने के लिए मकान देता है, तो ऐसे नहीं कि बैठ जाएं सीधे-सीधे। उससे एग्रीमेंट लिखा लो, कितने साल के लिए देना है। उसके बाद बैठना चाहिए।

Time: 45.10-46.26
Student: Baba, it was mentioned in a discussion: Give a hall to Baba for organizing programmes. So, should we take halls from the people who don't have this knowledge or should we take it from a knowledgeable person?
Baba: Anyone may give hall. If an ignorant person gives it, you should make him write an *agreement* so that he does not deceive you. It is possible that you start organizing a programme and he creates an obstacle in between. And even if the giver is knowledgeable, you should take something in writing because what do even the knowledgeable people become immediately nowadays? They become ignorant. Suppose, someone gives a house to open a *gitapathshala*, then it should not be the case that you go and sit there directly. Make him to write an agreement mentioning the number of years for which he is giving it to you. You should sit [in that house] after that.

समयः 46.36-47.35

जिज्ञासुः बाबा, कमल कीचड़ में ही क्यों होता है?
बाबाः कमल कीचड़ में इसीलिए होता है कि जो बहुत बड़ा होता है वो बहुत बड़ा काम करता है। बड़ा फूल कौनसा होता है? कमल का फूल बहुत बड़ा होता है। बड़े होने के कारण ही उसका नाम किंग फ्लावर रखा जाता है। क्या? फूलों का राजा। तो ऐसे ही फूलों का राजा हो जाए या बड़ा काम करके दिखाएगा? (जिज्ञासुओं ने कहा - बड़ा काम करके दिखायेगा।) अच्छे में रह करके अच्छा बनना ये तो सामान्य बात हो गई। लेकिन सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में बना रहे। उसको कहते हैं कीचड़ में कमल फूल समान जीवन। आया समझ में? हाँ। ☺

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 46.36-47.35
Student: Baba, why does the lotus live only in sludge?
Baba: The lotus lives in sludge because the one who is very big performs a very big task. Which is a big flower? The lotus flower is very big. It is because of being big that it is named *king flower*. What? King of flowers. So, will he simply become the king of flowers or will he perform a big task and prove himself? (Students: He will perform a big task.) To become good while being among good ones is an ordinary thing. But one swan should remain in his own intoxication while being amidst a hundred herons. That is called [living] a lotus like life in sludge. Did you understand? Yes. ☺ ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 47.36-51.37

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है कि गली-गली में गीतापाठशाला होनी चाहिए।

बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः तो अभी जो लोग रहते हैं, चार, पाँच परिवार एक ही गली में हैं।

बाबाः हाँ, हाँ।

जिज्ञासुः किराये का ही मकान है। तो दूसरी जगह पर लें या एक ही जगह पर रहना अच्छा है?

बाबाः एक गली में एक ही जगह रहो। अगर दूसरी जगह, जिज्ञासु दूसरी गली में ज्यादा निकलते हैं तो भले किराये पर लेकर दूसरी गली में खोल दो। जब कर्फ्यू लगेगा, मार-काट होगी, तो एक गली से दूसरी गली में जाने देंगे? नहीं जाने देंगे। बन्दूक लेकर एक इधर, एक उधर खड़ा रहेगा। अगर सामने ही दरवाज़ा होगा तो क्या करेंगे? इधर से निकले उधर घुस गए। जब तक वो गोली लगाएगा तब तक निशाना ही नहीं बंधेगा। इसीलिए गली-गली में गीतापाठशाला हो। उल्टा-उल्टा बोल देते हैं। घर-घर में गीता-पाठशाला हो। तो उल्टा अर्थ लगाने के कारण वाक्य को उल्टा कर दिया तो गीतापाठशाला में जाना ही छोड़ देते हैं। संगठन की वैल्यू ही खत्म कर देते। न हिन्दू रहे, न मुसलमान रहे, न क्रिश्चियन रहे। नास्तिक बन गए। हाँ, जी।

Time: 47.36-51.37
Student: Baba, it has been said in the murli that there should be a *gitapathshala* in every lane.
Baba: It is correct.
Student: So, the people who are staying now; there are four-five families in the same lane.
Baba: Yes.
Student: It is a rented accommodation, then should we take a house at another place or is it better to remain at the same place?
Baba: Remain at one place in the same lane. If more students emerge at another place in another lane, you may take a house on rent and open [a *gitapathshala*] in another lane. When *curfew* is imposed, when bloodshed takes place, then will they allow you to go from one lane to another? They will not allow you to go. One [soldier] will stand on one side with a gun and another [soldier]

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

will stand on the other side with a gun. If the door is just in front of you, what will you do? You will come out from here and enter there. Until he [plans to] shoot you, he will not be able to fix the target. This is why there should be a *gitapathshala* in every lane. People say the wrong thing: There should be a *gitapathshala* in every home. So, because of interpreting it in a wrong way, they turned the sentence wrong and stop going to the *gitapathshala*. They finish off the *value* of gathering. They remained neither a Hindu, nor a Muslim nor a Christian. They became an atheist. Yes.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, जब कर्फ्यू लगेगा तो बच्चे यहाँ थोड़े ही रहेंगे।

बाबाः कहाँ रहेंगे?

दूसरा जिज्ञासु: बाबा के साथ माउंट आबू में।

बाबा: माउंट आबू में रहेंगे? कितने हैं बच्चे अभी? अरे कितने बच्चे हैं?

दूसरा जिज्ञासु: आठ-दस हज़ार।

बाबा: आठ दस हज़ार हैं? बस?

दूसरा जिज्ञासुः कर्फ्यू तो अंत में लगेगा।

बाबाः अंत में लगेगा? 2036 में लगेगा?☺ अच्छा। कर्फ्यू तो बीच-बीच में लगता ही रहता है।

दूसरा जिज्ञासु: एक साथ नहीं लगेगा?

बाबा: हाँ, लगेगा। क्यों नहीं लगेगा?

तीसरा जिज्ञासुः ...जब हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ...

Another student: Baba, the children will not stay here when the curfew is imposed.
Baba: Where will they stay?
Another student: [They will stay] with Baba in Mount Abu.
Baba: Will they stay in Mount Abu? How many children are there now? *Arey*, how many children are there?
Another student: Eight- ten thousand.
Baba: Are there eight, ten thousand? Is that all?
Another student: The curfew will be imposed in the end.
Baba: It will be imposed in the end? Will it be imposed in 2036? ☺ *Achcha*. Curfew is imposed now and then.
Another student: Will it not be imposed all together?
Baba: Yes, it will be imposed. Why will it not be imposed?
A third student: ... When the partition of India and Pakistan took place...

बाबाः अभी फिर हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा होगा। जो अपने को पाक साफ मानते हैं, लेकिन हैं मुसलमान। किसको मानते हैं? मूसल को मानते हैं। देवियों को नहीं मानते। क्या? हमारा धर्म प्रवृत्तिमार्ग का है या निवृत्तिमार्ग का ? (सभी ने कहा - प्रवृत्तिमार्ग का।) हम तो मूसल को भी मानते हैं और जलाधारी को भी माता के रूप में मानते हैं। हम अम्मा-बाप के बच्चे हैं। हम ब्रह्माकुमार नहीं हैं सिर्फ। हम किसके कुमार हैं? प्रजापिता ब्रह्माकुमार हैं। तो हम हिन्दुस्तान-

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

पाकिस्तान का बंटवारा नहीं होने देंगे। माँ-बाप में झगड़ा नहीं होने देंगे। देश का बंटवारा होना चाहिए क्या? (सभी ने कहा - नहीं।) भारत **माता** कहा जाता है। माता का खंडन होना चाहिए क्या? (सभी ने कहा - नहीं।) ये गुरु लोगों का काम है। जो निवृत्तिमार्ग को अपनाते हैं।

Baba: Now the partition of India and Pakistan will take place again. Those who consider themselves to be *pak* (pure), clean; but are Muslims (*Musalmaan*). Whom do they believe in? They believe in *muusal* (pestle). They do not believe in *devis* (female deities). What? Is our religion a religion of the path of household or the path of renunciation? (Everyone said: Of the path of household.) We believe in *muusal* as well as the *jaladhari*[16] in the form of a mother. We are children of the mother and the father. We are not just Brahmakumars (children of Brahma). Whose *kumar* are we? We are Prajapita Brahmakumar (children of Prajapita and Brahma). So, we will not allow the partition of India into India and Pakistan. We will not let any dispute arise between the mother and the father. Should there be a partition of the country? (Everyone said: No.) It is said *Bharat **mata*** (Mother India). Should the mother be divided? (Everyone said: No.) It is the work of the gurus who adopt the path of renunciation.

समयः 51.43-52.29

जिज्ञासुः बाबा, नौकार मंत्र ये किसने लिखा है? आज तक उसका नाम प्रसिद्ध नहीं हुआ। ...

बाबाः सारे शास्त्र आपने पढ़ लिये क्या?

जिज्ञासुः पढ़े हैं तब ही तो...।

बाबाः पढ़े हैं? ओ हो! बहुत बड़ा विद्वान, पण्डित, आचार्य आया हुआ है।☺

जिज्ञासुः ये किसने लिखा है? उसका अर्थ भी पूरा मालूम है।

बाबाः जब शिवबाबा इस सृष्टि में आते हैं, शास्त्रों में भी लिखा हुआ है, जब भगवान ने सृष्टि रची तो ब्रह्मा के मुख से पहला अक्षर क्या निकला? (सभी ने कहा - ओम।) आओम्।....

Time: 51.43-52.29

Student: Baba, who has written the *Naukaar* mantra? His name has not become famous till today. ...

Baba: Have you read all the scriptures?

Student: I have read them, that is why...

Baba: You have read them? Oho! A very big scholar, pundit, teacher has come. ☺

Student: Who has written this? I know its complete meaning as well.

Baba: When Shivbaba comes in this world; it is also written in the scriptures that when God created the world, then what was the first word that emerged from the mouth of Brahma? (Everyone said – Om.) *Aum....*

[16] Cup that holds the *lingam*

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय: 52.30-54.15

बाबा: ...पाण्डवों को नहीं आने देना। अगर पाण्डव आयेंगे तो गड़बड़ कर देंगे।

जिज्ञासुः पाण्डव आने को भी तैयार नहीं रहते।

बाबाः तो बड़ी अच्छी। वल्ला ही वल्ला। ☺ और जहाँ पाण्डव भवन है, भाई लोग ही इकट्ठे होते हैं, उसका नाम पाण्डव भवन रखो दो। लेकिन वहाँ कोई भी कन्याएं-माताएं प्रवेश नहीं होनी चाहिए। अगर प्रवेश होती रहेंगी तो गड़बड़ जरूर पड़ेगा।

दूसरा जिज्ञासुः बूढ़ी-बूढ़ी माताएं होती हैं, एक पण्डा हमारे साथ रहता है।

बाबाः अरे, जवान हो या बुढ़िया, कुछ भी हो औरत ज़हर की पुड़िया।☺

तीसरा जिज्ञासुः और मर्द बाबा? औरत ज़हर की पुड़िया तो फिर मर्द?☺

बाबाः मर्दों को तो पहले ही टाइटिल मिला हुआ है। भूल गए? अपना टाईटल भूल गए?☺

तीसरा जिज्ञासुः ये हँस रहे है, इसलिए पूछा मैंने।

बाबाः नहीं-नहीं, पूछने वाले तो आप हैं ना। अपना स्वरूप भूल गए इसलिए पूछ रहे। वो तो इसलिए नहीं पूछता है कि वो जानता है अन्दर से बाबा से क्या जवाब मिलेगा। ☺

तीसरा जिज्ञासुः नहीं, मर्द तो ज्यादा हो गए ना।

बाबाः मरद नाम क्यों पड़ता है?

तीसरा जिज्ञासुः मर्दानी दिखाता है।☺

बाबाः नहीं। मर माने मुर्दा ☺और द माने देता है। बदले में क्या देता है? मुर्दा देता है।

Time: 52.30-54.15

Baba: ...Do not allow the Pandavas to come. If the Pandavas come, they will do something wrong.

Student: The Pandavas are not ready to come.

Baba: That is very good. That's great. ☺ And wherever there is Pandav Bhavan, where only the brothers gather, should be named Pandav Bhavan. But no virgins or mothers should enter there. If they continue to enter [that place], something will go wrong for sure.

Another student: There are old mothers. There is a *panda* (guide) with us.

Baba: *Arey*, whether a woman is young or old, she is a packet of poison. ☺

A third student: Baba, and what about man (*mard*)? If a woman is a packet of poison, then what about man?

Baba: Men have already received a *title*; did you forget? Did you forget your *title*?

Third student: These people are laughing; that is why I asked.

Baba: No, no, it is you who are asking, aren't you? You have forgotten your form; this is why you are asking. He does not ask because he knows within the reply that he will get from Baba. ☺

Third student: No, men are more , aren't they?

Baba: Why is the name *mard* given?

Third student: He shows his manliness (*mardaani*). ☺

Baba: No. *Mar* mean *murda* (corpse). ☺ And *da* means gives. What does he give in return? He gives a corpse.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 54.26-55.50

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है कि क्लास में देरी से आना या क्लास मिस करना - ये बहुत बड़ा बापदादा का डिसरिगार्ड है।

बाबाः बिल्कुल।

जिज्ञासुः समझो संगठन तो कर रहे हैं हम लोग, कोई दूसरा काम कर रहा है या उठकर कर बाहर जाता है, आता है। ये भी डिसरिगार्ड ही हो जाता है?

बाबाः ऐसे हाथ उठा के परमीशन ले ले। कितनी देर लगती है?

जिज्ञासुः नहीं, क्लास की बात... गीतापाठशाला में।

बाबाः गीतापाठशाला में?

जिज्ञासुः ऐसी बातें होती हैं तो...

बाबाः क्लास होता है और क्लास के टाइम पर कोई बिना पूछे चला जाता है...

जिज्ञासुः या कोई काम-धाम करता है...

बाबाः काम-धाम में चला जाता है...

जिज्ञासुः जाना आना करता है...

Time: 54.26-55.50

Student: Baba, it has been said in the murli that coming late to the class or missing the class is a great disregard of Bapdada.

Baba: Definitely.

Student: Suppose we are attending a gathering (*sangathan*); and if someone is doing some other work or goes out , comes in. Is this also disregard ?

Baba: You can seek permission by raising your hand like this. How much time does it take?

Student: No, [I am speaking about] the class in a *gitapathshala* .

Baba: In a *gitapathshala*?

Student: What if such things happen...

Baba: The class is organized; and if someone goes out during the class time without seeking permission...

Student: Or if he does some other work...

Baba: He goes to do some work...

Student: If he goes and comes...

बाबाः तो पूछ के नहीं जा सकता?

जिज्ञासुः निमित्त बनी टीचर को?

बाबाः माने निमित्त बनी टीचर नहीं गीतापाठशाला में होती है?

जिज्ञासुः होती है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः पूछ के जाए। अरे सामान्य दुनिया में जो क्लासेज़ होते हैं वहाँ टीचर का डिसरिगार्ड करते हैं या रिगार्ड से जाते हैं? मे आई कम इन सर (may I come in Sir)? बोलते हैं कि नहीं? (जिज्ञासु - बोलते हैं।) जाते हैं तो भी इशारा करके जाते हैं। परमीशन मिलती है तो जाते हैं। यहाँ तो शिवबाबा का कोई रिगार्ड ही नहीं। तो दूसरे टीचर्स का क्या हाल होता होगा?

Baba: So, can't he go after seeking permission?
Student: From the teacher made instrument?
Baba: Do you mean to say there is no teacher who is made instrument in a *gitapathshala*?
Student: There is.
Baba: They should ask and go. *Arey*, do they show disregard for the teacher in the classes in the general world or do they show regard and go? "*May I come in Sir?*" Do they say so or not? (Student: They say so.) Even when they go out, they make a gesture. If they get permission, they go. Here, there is no regard for Shivbaba at all. So, what will be the condition of other teachers? ... (to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 55.51-56.50

जिज्ञासुः बाबा, सुबह खाना पकाते-पकाते मुरली सुनेंगे तो चलेगा क्या?
बाबाः कर्मयोगी कहा है कि कर्मज्ञानी कहा है? (जिज्ञासु - कर्मयोगी।) हाँ, याद करना जो है उस टाइम पर कोई कर्म करो हर्जा नहीं। लेकिन ज्ञान सुनते समय अपना स्वेटर बुन रहे हैं, कोई दूसरा काम कर रहे हैं - ये शिवबाबा का डिसरिगार्ड है। क्लास में ऐसे नहीं करना चाहिए। एकचित्त हो करके मुरली सुनना तब उस महावाक्यों पर मनन चिंतन मंथन चलेगा। इसका मतलब बाबा की वाणी को प्रायरिटी नहीं देते हैं। अपने काम-धाम को ज्यादा प्रायरिटी देते हैं।

Time: 55.51-56.50
Student: Baba, will it do if we listen to murli while cooking in the morning?
Baba: Is it said '*karmayogi*' or '*karmagyani*'? (Student: *Karmayogi.*) Yes, it doesn't matter if you do any work while remembering [Baba]. But if you are weaving a sweater or doing any other work while listening to knowledge, it is a *disregard* of Shivbaba. You should not do like this in the class. You should listen to the murli with a focused mind, only then will you be able to think and churn over that great version. It means, they do not give *priority* to Baba's *vani*. They give more *priority* to their own work.

समयः 57.02-01.01.05

जिज्ञासुः बाबा, महाभारत में जो चक्रव्यूह रचा था उसमें जो अभिमन्यु चला गया था वो फिर वापस नहीं आया।

बाबाः अभिमन्यु ने अधूरा ज्ञान उठाया या पूरा ज्ञान उठाया? (सभी ने कहा - अधूरा।) यहाँ ब्राह्मणों की दुनिया में ज्ञान गर्भ कौनसा है? भट्ठी। सात दिन की भट्ठी। एक दिन आना, एक दिन जाना। 9 दिन ज्ञान ही ज्ञान चलता है बुद्धि में। ये ज्ञान योग की भट्ठी है। 9 महीने की नहीं है लेकिन 9 दिन की है। ऐसी भट्ठी जो लोग नहीं करते हैं या खण्डित कर देते हैं उनका ज्ञान गर्भ कच्चा रह जाता है। लेकिन अहंकार बहुत रहता है। अभिमान। क्या है अन्दर? अभिमान भरा हुआ है। मैं किसका पुत्तर हूँ? (किसीने कहा - अर्जुन का।) किसका सम्बन्धी हूँ? (किसीने कहा - कृष्ण का।) वो देह अभिमान भरा रहता है, लौकिक सम्बन्धिपने का। ये देह अभिमान नीचे गिराय देता है। कितना भी सेवा करना वाला हो अगर ज्ञान और योग में अधूरा है तो पछाड़ खा जावेगा।

Time: 57.02-01.01.05
Student: Baba, Abhimanyu entered the *cakravyuh*[17] that was formed in the war of Mahabharata, but he did not come back.
Baba: Did Abhimanyu obtain incomplete knowledge or complete knowledge? (Everyone said: Incomplete.) What is the womb of knowledge here in the world of Brahmins? *Bhatti.* Seven days *bhatti*. One day to come; one day to go. There is just knowledge in the intellect for nine days. This is a *bhatti* (furnace) of knowledge and yoga. It is not for nine months, but for nine days. The [duration of] womb of knowledge of those who do not undergo such *bhatti* or those who break it remains incomplete. But they feel very egotistic, *abhimaan*. What is there within? He is full of ego. "Whose son am I?" (Someone said: Of Arjun.) "Whose relative am I?" (Someone said: Of Krishna.) He is full of this body consciousness, of his *lokik* relatives. This body consciousness brings downfall. However much service someone may do, [but] if he is incomplete in knowledge and yoga, he will suffer a defeat.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, पहली भट्ठी किया है लेकिन अवस्था नीचे ऊपर होती है तो फिर से भट्ठी किये तो अच्छा रहेगा?
बाबाः अवस्था नीचे ऊपर होने के लिए भट्ठी करने की दरकार नहीं है। लेकिन बीच में लंबे समय तक अनिश्चयबुद्धि बन गया, क्लास छोड़ दिया, बाबा से संपर्क टूट गया, फोन से भी संपर्क नहीं है, चिट्ठी पत्र से भी सम्पर्क नहीं है, ई-मेल से भी सम्पर्क नहीं है, गीतापाठशाला में आना-जाना भी नहीं है और जो मासिक या साप्ताहिक संगठन होता है उसमें भी आना-जाना नहीं है... बाबा तो मुरली में कहते हैं दो महीने भी कोई का लेटर नहीं आता है तो बाबा उसे मरा हुआ समझते हैं। तो या तो लिख करके माफी मांग लेना चाहिए, कोई खास परिस्थिति में माफी मिल जावेगी। और लंबा टाइम हो गया है - साल, छह महीने और कनेक्शन बिल्कुल कट हो गया है, अनिश्चयबुद्धि बन चुके हैं। अनिश्चयबुद्धि माने? विनश्यन्ती। विनश्यन्ती माना? विकारी दुनिया में बुद्धि चली गई। कर्मेन्द्रियों से डूब गये, तो भट्ठी भी करना चाहिए और वहाँ जा करके माफीनामा लिख करके आना चाहिए स्टाम्प पेपर पर। नोटरी कराके ☺।

---
[17] A ring-shaped formation of troops in a war

जिज्ञासुः तब तक उनको क्लास में आने की परमीशन नहीं देनी है?
बाबाः क्लास में आने की दुनियावालों को परमीशन देते हैं या नहीं? (जिज्ञासु - देते हैं।) अकेले में बैठ करके क्लास करो, साप्ताहिक कोर्स करो। रोज़ के क्लास में भी आओ। लेकिन बाबा के क्लास में नहीं आ सकते।

Another student: Baba, someone has undergone the *bhatti* once, but if his stage goes up and down, will it be better if he attends the *bhatti* again?
Baba: There is no need to do the *bhatti* again if the stage goes up and down. But if someone lost faith for a long time in between, if he stopped attending the class, if his contact with Baba broke, if there is no contact through phone, through letters, through e-mails, if he does not visit the *gitapathshala* and if he does not attend even the monthly or weekly gathering... Baba says in the murli that if [Baba] does not receive someone's letter for even two months, Baba considers him to be dead. So, he should either seek pardon in writing; he may be pardoned under special circumstances. And if it has been a long time, a year or six months, and if the *connection* has become totally cut, if he has lost faith; what is meant by losing faith? Being destroyed. What is meant by being destroyed? The intellect went into the vicious world; he became vicious through the *karmendirya*[18]. Then, one should do the *bhatti* as well. And after going there he should a letter of apology on a stamp paper. He should get it notarized☺.
Student: Should they not be given permission to attend the class until then?
Baba: Are the people of the world given permission to come to the class or not? (Student: They are given.) They can sit alone and attend the class. They can attend the weekly course. They can come to the daily class as well. But they cannot attend Baba's class.

समयः 01.01.27-01.02.42
जिज्ञासुः बाबा, काली माता के गर्दन में जो सिरों का हार बताते हैं, उसका क्या रहस्य है?
बाबाः सिर माने क्या होता है और धड़ माने क्या होता है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) पहले एक बात का जवाब ले लो। सिर माने क्या और धड़ माने क्या? मुंड माल पहनती है, धड़ माल नहीं पहनती। तो मुंड का अर्थ क्या है और रुंड का अर्थ क्या है? धड़ का अर्थ है, रुंड का अर्थ है देह अभिमान। सर काट दिया, देह अभिमान को फेंक दिया। और मुंड ले लिया माने उसकी मति को हर लिया। मति माने? बुद्धि, आत्मा। उसकी आत्मा को हरण करके अपने गले लिपटाय लिया। (किसीने कहा - अंडर में कर लिया।) अंडर में कर लिया। ये है मुंड माल। महाकाली बहुतों की बलि लेने वाली है।

Time: 01.01.27-01.02.42
Student: Baba, what is the secret behind the garland of heads that is shown hanging around the neck of Mother Kali?
Baba: What is meant by head and what is meant by body (*dhar*)? (Student said something.) First take the answer to one question. What is meant by head and what is meant by body? She wears a garland of heads (*mund maal*); she does not wear the garland of bodies (*dhar maal*). So, what is

[18] Parts of the body used to perform actions

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

meant by *mund* (head) and what is meant by *rund* (body)? The meaning of *dhar*, the meaning of *rund* is body consciousness. The head was cut; the body consciousness was thrown away. And she took the *mund* (head), i.e. she abducted his *mati*. What is meant by *mati*? Intellect, the soul. She abducted his soul and put it around her neck. (Student: She took him under her.) She took him under her. This is a garland of heads. Mahakali takes the sacrifice of many.

समयः 01.02.54-01.05.36
जिज्ञासुः चन्द्रमाँ की उत्पत्ति पृथ्वी से हुई बताते हैं।
बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः पेसिफिक महासागर का भाग बताते हैं ना।
बाबाः हाँ।

Time: 01.02.54-01.05.36
Student: It is said that the Moon originated from the Earth.
Baba: Yes.
Student: They say that it is a part of the Pacific Ocean.
Baba: Yes.

जिज्ञासुः तो चन्द्रमाँ तो राउंड है।
बाबाः तो क्या हुआ? कोई चीज़ जब किसी चीज़ से अलग होती है और ज़ोर से घूमता है तो वो गोला घूमते हुए जब दूर जाता है फोर्स से तो क्या गोल नहीं हो सकता है? और चन्द्रमाँ पे जो लोग पहुँचे हैं, उन्होंने जो चित्र लिये हैं वो गोल हैं या बड़े-बड़े गड्ढे हैं? (जिज्ञासुओं ने कहा - बड़े-बड़े गड्ढे हैं।) यहाँ दूर से गोल दिखाई देता है। लेकिन जब नज़दीक पहुँचे या जो लोग पहुँचे हैं वो जानते हैं कि जैसे पृथ्वी दूर से गोल दिखाई देती है, ऐसे पृथ्वी भी गोल नहीं है। कहीं बड़े-बड़े ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हैं और कहीं इतना गहरा समन्दर है जिसकी कोई आज तक थाह नहीं ले पाया।

Student: So, the Moon is round.
Baba: So what? When something separates from something and rotates strongly, and when that sphere goes far away while rotating with a *force*, then can't it become spherical? And those who have reached the Moon and have taken pictures; is it round or are there big pits? (Students: There are big pits.) It appears spherical from here, from a distance. But when you reach close to it or those who have reached close know that just as the Earth appears round from a distance... the Earth is not round either. At some places there are tall mountains and at some places there is such a deep ocean that nobody could measure its depth so far.

दूसरा जिज्ञासुः तो चन्द्रमाँ गिरने के बाद बराबर हो जाएगा?
बाबाः उपग्रह क्यों कहा जाता है? ग्रह और उपग्रह। ग्रह बड़ा होता है। ग्रह का बच्चा है उपग्रह। उपग्रह... जब आखरी विनाश होगा तो 9 ग्रह आपस में टकरायेंगे। टक्कर खा-खा के सारी दुनिया

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

का विनाश होगा। अभी भी बोला हुआ है - सौ मणकों की स्टेज फिर भी बराबर रहती है लेकिन आठ? आठ तो बहुत ही ऊपर-नीचे होते रहते हैं। और अंत में टकरायेंगे। तो उनके सब फालोअर्स टक्कर खायेंगे या न्यूट्रल रहेंगे? टक्कर खायेंगे एक-दूसरे में।

Another student: So, will it become leveled after the Moon joins together with [the Earth]?
Baba: Why is it called *upgrah* (satellite)? *Grah* (planet) and *upgrah*. *Grah* is bigger. A planet's child is a satellite. Satellite... when the final destruction takes place, then all the nine planets will clash. The entire world will be destroyed due to their clashes. It has been said recently as well: The *stage* of the hundred beads still remains constant, but what about the *stage* of eight? The eight [beads] keep going up and down a lot. And they will clash in the end. Will all their *followers* clash or will they remain *neutral*? They will clash with each other.

समयः 01.05.53-01.06.31

जिज्ञासुः बाबा, जो पहले मंत्र पढ़ते हैं, फिर बाद में बाण छोड़ते हैं। ऐसा क्यों?

बाबाः मंत्र माना मनन-चिंतन-मंथन, मंत्रणा। ये कोई स्थूल बाण नहीं है। काहे के बाण हैं? (जिज्ञासुओं ने कहा - ज्ञान के बाण।) कोई बात मुख से निकालनी चाहिए तो मनन-चिंतन-मंथन करके निकालनी चाहिए, जिसका प्रभाव हो या ऐसे ही अजर्रा बोल देना चाहिए? (किसीने कहा - मनन चिंतन करके।) हाँ, जी।

Time: 01.05.53-01.06.31
Student: Baba, people first read the *mantra* and then shoot the arrow. Why is it so?
Baba: *Mantra* means thinking and churning, *mantranaa* (consultation). This is not a physical arrow. It is the arrow of what? (Students: Arrows of knowledge.) When you say something, should you say it after thinking and churning, so that it leaves an influence or should you speak openly? (Someone said: [You should speak] after thinking and churning.) Yes. (Concluded.)

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info